Property left by Hindus in East Pakistan

*1050. **Shri Rameshwar Tantia:** Will the Prime Minister be pleased to state the value of property left by Hindus in East Pakistan?

The Deputy Minister of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon): The information is not available. Government have not made any assessment of the value of such property since the ownership of properties left behind by migrants continues to be vested in them in accordance with the Prime Ministers' Agreement of April, 1950.

Fertilizer Plants

*1051. **Dr. Ram Subhag Singh:**
Shri Harish Chandra Mathur:

Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) whether there is any proposal for opening some fertilizer plants in the private sector; and

(b) if so, how many such plants are proposed to be set up and their location?

The Minister of Industry (Shri Manubhai Shah): (a) and (b). There are already 14 factories producing phosphatic fertilizer and 2 factories producing synthetic nitrogenous fertilizers operating in the private sector in India. Presumably, the Hon'ble Members are referring to proposals for establishment of new nitrogenous fertilizer plants. So far, no concrete proposals in this regard have been received by Government from private parties. Such proposals, when received, will be considered by Government on merits, if the parties interested in this development are able to secure the foreign exchange requirements of such projects.

निर्माण कार्यों के लिये ठेके

१३८०. **श्री म० ला० द्विवेदी :** क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष १९५६-५७ में निर्माण, कार्यों के लिये किन किन व्यक्तियों और फर्मों को कितने कितने रुपये के ठेके दिये गये ;

(ख) ये ठेकेदार किस किस श्रेणी के हैं ;

(ग) काम को ठीक तौर पर तथा निश्चित अवधि के भीतर पूरा करने के लिये क्या उपाय किये गये ;

(घ) कितने ठेके अवधि के भीतर पूरे नहीं हुए ;

(ङ) उनके पूरे न होने के क्या कारण थे; और

(च) उनके बारे में क्या कार्यवाही की गई ?

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री क० च० रेड्डी) : (क) से (च). आवश्यक वृत्तान्त एकत्रित किया जा रहा है और सभा की मेज पर रख दिया जायेगा।

रबड़ के जूते

१३८१. **श्री म० ला० द्विवेदी :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रबड़ के जूतों का निर्यात किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो किन किन देशों को; और

(ग) रूस को जूते भेजने के करार के अनुसार क्या रबड़ के जूते भी भेजे जायेंगे ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) जी, हां।